निबंध = गुरु तेग बहादुरजी

30.11.21 Ist Hyow
HOS
Govt. Girls Sr. Sec. School
Tilak Nagar, No. 1,
New Delhi-18

Topic Date

सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों के उपदेशक

गुरू तेग बहादुर जी सिखों के नौवें गुरू थे। अपने तोपखाने कौशल और कमजोरों के रक्षक के रूप में जाने वाले, गुरू तेग बहादुर सिंह जी ने गुरू नानक देव जी की शिक्षाओं का प्रचार करते हुए देश भर में यात्रा की।

गुरू तेग बहादुर जी ने 116 शब्द और 15 रागों की रचना की और उनकी शिक्षाओं आदि को गुरू ग्रंथ में शामिल किया गया है।

गुरू तेग बहादुर जी की शिक्षाएं

1. "जो दुख में शोक नहीं करता और सुख में प्रसन्न नहीं होता, जो भय और मोह से मुक्त है, और जिसके लिए सोना और धूल समान है जिसने प्रशंसा और दोष (चापलूसी और निंदा) दोनो को त्याग दिया है जो लालच से मुक्त है, सांसारिक मोह और अभिमान से परे है वही सच्चा पुरुष है। सभी दयालु गुरू एक शिष्य को अपनी कृपा से आशीर्वाद देते हैं, तभी शिष्य इस धन्य आध्यात्मिक स्थिति को प्राप्त करता है और भगवान के साथ जल के रूप में मिश्रित (विलय) होता है।"

TELCO Designer

Topic..... Date.....

गुरू तेग बहादुर जी ने दुख और सुख के प्रति उदासीन रहने के लिए, चापलूसी और आरोप जैसे दोषों से दुटकारा पाने के लिए, और हर दूसरे सांसारिक सुख के लिए दृढ़ विश्वास का उपदेश दिया। जब किसी ने आत्म - नियंत्रण की कला में महारत हासिल कर ली है तो वह वास्तव में आध्यात्मिक हो सकता है

2. अपमान को एक समान समझना चाहिए। प्रशंसा और दोष और यहां तक कि मोक्ष की खोज दोनों को छोड़ देना चाहिए। यह है एक (गुरमुख) धर्मपरायण व्यक्ति बहुत कठिन और दुर्लभ है जो उस पर चलना जानता है।

3. गुरू तेग बहादुर ने अपने शिष्यों को लालच, इच्छा, अंहकार और दर्द को दूर करने की शिक्षा देकर उन्हें देवत्व का मार्ग दिखाया। नानक जी कहते हैं, "जो अपने अंहकार को जीत लेता है और भगवान को सभी चीजों के एकमात्र कर्ता के रूप में देखता है, वह 'जीवन मुक्त' (जीवित रहते हुए मुक्त हो जाता है) प्राप्त कर लेता है, इसे वास्तविक सत्य के रूप में जानें।"

4. उन्होनें अपने अनुयायियों को शांति के मार्ग की ओर निर्देशित किया। गुरू तेग बहादुर जी ने दुनिया को अपने जीवन से संतुष्ट रहना सिखाया, क्योंकि दुनिया में सब कुछ "गुरू नानक जी ही कर रहे हैं।" उन्होनें हर जीवन - स्थिति के साथ शांति बनाकर जीवन मुक्ति प्राप्त करने का विचार फैलाया।

TELCO Designer

Topic..... Date.....

5. "अपना सिर छोड़ दे, परन्तु उन को न छोड़, जिन्हें आपने सुरक्षित रखने का बीड़ा उठाया है। अपने प्राण का बलिदान दे, परन्तु अपने विश्वास को ना त्यागे।"

6. गुरु तेग बहादुर जी कमजोरों के एक दयालु उद्धारकर्ता थे, और उन्होंने यही उपदेश दिया। उन्होंने अपने शिष्यों को उन लोगो की रक्षा करना सिखाया। जिन्हें सुरक्षा की आवश्यकता है, भले ही यह किसी के अपने जीवन की कीमत पर क्यों न हो।

7. "जंगलो की तलाश में क्यों जाएं (उसे खोजने के लिए)। वह जो सभी दिलों में रहता है लेकिन हमेशा शुद्ध रहता है, आपके दिल में भी व्याप्त है। जैसे सुगंध गुलाब भरती है और दर्पण को प्रतिबिंबित करती है, भगवान बिना किसी विराम के व्याप्त हैं; खोज उसे तुम्हारे भीतर। गुरु ने इस ज्ञान को प्रकट किया है कि ओम् अंदर और बाहर व्याप्त है। नानक कहते हैं, अपने आप को जाने बिना संदेह का मैल नहीं हटाया जाएगा।"

गुरु ने सर्वशक्तिमान की सर्वव्यापीता पर दबाव डाला। प्रभु हमारे भीतर रहते हैं, और उनसे जुड़ने के लिए केवल अपने भीतर झांकने की जरूरत है। उन्होंने उपदेश दिया की ब्रह्मांड का प्रतीक, ओम् (ओम), आपके अंदर, आपके बाहर, मेरे अंदर और धरती पर मौजूद हर जगह है।

TELCO Designer